स्नातकोत्तर हिंदी

(W.E.F. सत्र : 2022-23)

पाठ्यक्रम

हिंदी विभाग

कला अध्ययनशाला

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

(छ.ग.)

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	पाठ्यक्रम	पृष्ठ संख्या
1.	अध्ययन मंडल की बैठक का कार्यवृत्त	2
2.	Programme Outcomes	3
3.	Programme Specific Outcomes	3 - 4
4.	पाठ्यक्रम संरचना - MA I SEM	5
5.	पाठ्यक्रम संरचना - MA II SEM	6
6.	पाठ्यक्रम संरचना - MA III SEM	7
7.	पाठ्यक्रम संरचना - MA IV SEM	8
8.	पाठ्यक्रम संरचना - MA Course	8
9.	स्नातकोत्तर हिंदी पाठ्यक्रम - I SEM	10 -19
10.	स्नातकोत्तर हिंदी पाठ्यक्रम - II SEM	21 - 31
11.	स्नातकोत्तर हिंदी पाठ्यक्रम - III SEM	33 - 43
12.	स्नातकोत्तर हिंदी पाठ्यक्रम - IV SEM	45 - 53
13.	स्नातकोत्तर हिंदी पाठ्यक्रम – ABC Course	54 – 55

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

हिंदी विभाग

(कला अध्ययनशाला)

क्रमांक/Q/हिंदी/BOS/2023 बिलासपुर, दिनांक : 28/04/2023

अध्ययन मण्डल (BOS) की बैठक का कार्यवृत्त

- दिनांक 28 अप्रैल, 2023 को हिंदी विभाग में गूगल मीट पर ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से बैठक आयोजित की गई।
- बैठक में अध्ययनमंडल समिति के समस्त सदस्यगण ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से उपस्थित रहे।
- बैठक में प्रस्तावित स्नातकोत्तर हिंदी पाठ्यक्रम पर चर्चा की गई और इसे यूजीसी रेगुलेशन, 2018 के तहत लागू करने की अनुशंसा की गई।

बैठक में उपस्थित सदस्यों के हस्ताक्षर

क्र.	अध्ययन मंडल के सदस्यगण	पदनाम	हस्ताक्षर
1.	डॉ. गौरी त्रिपाठी - सह प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग)	अध्यक्ष	
2.	प्रो. योगेन्द्र प्रताप सिंह – आचार्य हिंदी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज (उ.प्र.) (माननीय कुलपतिजी द्वारा नामित वाह्य विषय विशेषज्ञ)	सदस्य	ऑनलाइन उपस्थित
3.	डॉ. रमेश कुमार गोहे - सहायक प्राध्यापक हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सदस्य	

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातकोत्तर हिंदी
(W.E.F. सत्र 2022-23)

Programme Outcomes :

PO1 : हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं के साहित्य से विद्यार्थी पूरी तरह अवगत हो सकेंगे।

PO2 : विद्यार्थियों की तमाम भौतिक या आत्मिक उपलब्धियों का महत्व इस बात पर आज निर्भर करने लगा है कि बाजार में उसकी उपयोगिता क्या और कितनी है? इस पाठ्यक्रम की सहायता से हमारे विद्यार्थी बाजार के इन मानदंडों पर खरे उतरेंगे।

PO3 : हिंदी के इस पाठ्यक्रम में हमने बाजार की नई-नई संभावनाओं को वर्तमान सामाजिक संदर्भों से जोड़कर उसे उद्घाटित करने का प्रयास किया है।

PO4 : एक संस्कारित और सक्षम व्यक्तित्व के निर्माण में इस पाठ्यक्रम का महत्व वर्तमान के साथ-साथ नए भारत का भविष्य गढ़ने में छात्रों को समर्थ और संभावनाशील बनाना है।

PO5 : अनुवाद आज महज साहित्य की एक विधा ही नहीं है, अपितु एक व्यावसायिक संभावना के रूप में यह तेजी से उभर रही है। इस पाठ्यक्रम की खासियत अनुवाद की इस व्यावसायिक संभावना के क्षेत्र में छात्रों को दक्ष बनाना भी है।

Programme Specific Outcomes :

PSO1	मध्ययुगीन भारतीय समाज के भीतर प्रवाहित हो रही लोकजागरण की भित्ति में विकसित आधुनिक भारतीय वैज्ञानिक चेतना की जनतांत्रिक पक्ष का अध्ययन करना। कालांतर में विदेशी पराधीनता की कारा से मुक्त होने के लिए 1857 के स्वतंत्रता संघर्ष की अनुगूँज साहित्य में भी दिखता है। प्रस्तुत पाठ्यक्रम में इन दोनों के विकास का अध्ययन है। इतिहास और कथा-काव्य की जुगलबंदी में साहित्यकार का लक्ष्य इतिहास से अधिक मनुष्य की मनुष्यता को बचाने की हरसंभव कोशिश रहा है। इस क्रम में साहित्य में वर्णित ऐतिहासिक घटनाओं को इतिहास मानने की भूल से साहित्य आगाह करती है। भारतीय समाज में निहित सांस्कृतिक विभिन्नताओं के बावजूद उसकी एकता यहाँ की मुख्य विशेषता है। सांस्कृतिक रूपांतरण की प्रक्रिया और उसके विकास की कलात्मक अभिव्यक्ति कहानियों में अभिव्यक्त होती है। कहानियों की सहायता से विद्यार्थी स्वाधीनता के पहले औपनिवेशिक भारत के स्वरूप को समझ सकेंगे और उसके बाद के नव-उपनिवेशवाद की प्रक्रिया में आमजन की केंद्रीय स्थिति से भी बखूबी परिचित होंगे।
PSO2	अपने वर्तमान समय की चुनौतियों से रूबरू होते समय विद्यर्थियों में साहित्य की मूलवर्ती चेतना उसे सुस्पष्ट मार्गदर्शन करती है। वह चीजों और संबंधों को सिर्फ भौतिक प्रगति में देखे जाने का विरोध करती है। भौतिक विकास के इस युग में मनुष्य-सानिध्य के बिना स्वयं को हताश, अजनबी और अकेला महसूस करता है। उसने अपने जीवन का उद्देश्य ऐंद्रिय सुखों, भोग-विलास के संसाधनों और संपत्तियाँ अर्जित करने में फोकस कर रखा है। ऐसे में पाठ्यक्रम का आदर्श छात्रों को सार्थक बनाने की कशमकश, गहनतर मानवीय जिज्ञासाओं से युक्त बनाना और लोक-मंगल से संबद्ध मूल्यों की उनमें प्रतिष्ठा करना है। मध्यकालीन समाज के उच्चवर्ग की क्षयिष्णु और कुलीन अभिरुचियों के साथ-साथ जनकाव्य की एक अन्य धारा भी प्रवाहमान थी, जिसमें जीवन की वास्तविकता के साथ अनुभूति की गहराई विद्यमान थी। जनकाव्य की इस धारा में शामिल रोमांटिक कवियों में प्रेम की विविध भावाभिव्यक्तियों में युग धड़कता था। रीतिकाल का अध्ययन इसी आधारशिला पर की जाएगी। इसी क्रम में स्नातकोत्तर हिंदी के इस पाठ्यक्रम में इतिहास की किताबों में लगभग विस्मृत अपने समय और समाज में कियाशील चरित्रों को हिंदी की लंबी कविताओं में प्रमुखता दी गयी है। हिंदी की भाषिक संरचना का अध्ययन और देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता की पहचान के साथ उसके मानकीकरण

	की प्रक्रिया इसलिए आवश्यक है क्योंकि यदि कोई विदेशी हिंदी सीखना चाहे, तो भाषा के मानकीकरण के अभाव में कहीं हमारी हिंदी उसके लिए जटिल, क्लिष्ट और दुर्बोध न हो जाए।
PSO3	अपभ्रंश के विभिन्न क्षेत्रीय रूपों से ही हिंदी और अन्य आधुनिक भारतीय भाषाओं की उत्पत्ति हुई है। दसवीं-ग्यारहवीं सदी तक खड़ी बोली हिंदी भाषा के रूप में प्रतिष्ठित हो चुकी थी। हिंदी साहित्य के विकास की दिशा और दशा को जानना सही अर्थों में हिंदी के प्रति आत्यंतिक लगाव, प्रेम और उसकी उन्नति का परिचायक है। 20वीं सदी सामन्तवाद के कंधे पर आरूढ़ होकर भारत में पूँजीवाद के पैर जमाने का समय था। मध्यवर्ग का उदय भी इसी युग की देन है। यह वर्ग एक नए सामाजिक उत्तरदायित्व के लिए भी तैयार हो रहा था। आधुनिक काव्य में बीसवीं सदी की ऐतिहासिक, सामाजिक और राजनीतिक परिस्थितियों का समग्र अवलोकन है। बीसवीं सदी के अंतिम दशक तक आते-आते समाज और साहित्य में उत्तर आधुनिक युग का सूत्रपात हो चुका था। साहित्य में वंचित समुदायों की केंद्रीय भूमिका बनने लगी। आधुनिक विमर्श के अंतर्गत सबाल्टर्न डिस्कोर्स का अध्ययन किया जाएगा। सूचना क्रान्ति तथा संचार प्रौद्योगिकी के दौर में मीडिया का महत्वपूर्ण स्थान है। मीडिया में हिंदी की केंद्रीय स्थिति और उसके भविष्य के साथ ही हिंदी के मानकीकरण से यह पाठ्यक्रम बिल्कुल भी अछूता नहीं है। भारतीय समाज मुक्त बाजार और उपभोक्तावाद की तरफ तेजी से बढ़ रहा है। बाजार की व्यवस्था में आदमी इंसान नहीं होता, वह उत्पादक या उपभोक्ता होता है या फिर खरीदार या विक्रेता। बाजार की इस प्रवृत्ति के बीच साहित्य के माध्यम से मनुष्य को अधिक मानवीय बनाने के निमित्त नाटक और हिंदी सिनेमा पाठ्यक्रम में शामिल है।
PSO4	हिंदी कहानियों में नायक की जगह चरित्र महत्वपूर्ण हो गए। इसका लाभ यह है कि इसमें अपने समय का समाजशास्त्रीय अध्ययन आसानी से किया जा सकता है। साहित्य में खास तौर पर कहानियों में सामाजिक यथार्थ का प्रामाणिक दस्तावेज के साक्ष्य आसानी से खंगाले जा सकते हैं। इस दृष्टि से हिंदी की लंबी कहानियों का अध्ययन अपने मूल में भारतीय समाज का अध्ययन है। साहित्य के वातायन में भारतीय चिंतनधारा और पाश्चात्य चिंतनधारा में कोई भेद नहीं है। इसमें सभी चिंताधाराएँ बेरोकटोक आती-जाती रहती हैं। इसलिए हिंदी स्नातकोत्तर के पाठ्यक्रम में अलग-अलग चिंतनों को इस उद्देश्य से शामिल किया गया है कि विद्यार्थी इससे अपना एक नया चिंतन विकसित कर सकने में समर्थ हो सके। साहित्य मनुष्य की मनुष्यता की अभिव्यक्ति का माध्यम है। मौखिक साहित्य में लोक की सृजनशीलता दृष्टिगोचर होती है। साहित्य को विकसित करने में इसके योगदान को विस्मृत नहीं किया जा सकता। शोधपरक आलेख लिख सकने में दक्ष बनाने और समाजशास्त्रीय चिंतन हेतु प्रेरित करने के निमित्त शोध प्रविधि और उसकी सैद्धांतिकी से परिचित होना आवश्यक है। भविष्य में विद्यार्थी प्रामाणिक और बेहतर शोध कर सकें उसकी पूर्वपीठिका के तौर पर लघु शोध-प्रबंध इस पाठ्यक्रम में शामिल है।

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातकोत्तर हिंदी

सेमेस्टर – I

S.N.	Course	Course Code	Course Name	Periods			Scheme			Credits
				L	T	P	IA	ESE	Sub Total	
1.	Core 1	HIPATT1	**भक्तिकाव्य**	4	1	-	30	70	100	**5**
2.	Core 2	HIPATT2	**हिंदी निबंध**	4	1	-	30	70	100	**5**
3.	Core 3	HIPATT3	**हिंदी साहित्य का इतिहास (आरंभ से रीतिकाल)**	4	1	-	30	70	100	**5**
4.	Core 4	HIPATT4	**भारतीय भाषाओं की कहानियाँ**	4	1	-	30	70	100	**5**
5.	Open Elective	HIPATO1	**हिंदी भाषा**	2	-	-	30	70	100	**2**
			Grand Total	**18**	**4**	**-**	**150**	**350**	**500**	**22**

Total Credits : 22 Total Contact Hours : 285 Total Marks : 500

L : Lecture, T : Tutorial, P : Practical, IA : Internal Assessment, ESE : End Semester Exam

Internal Assessment : Two Class Test of 15 Marks each will be conducted.

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातकोत्तर हिंदी

सेमेस्टर – II

S. N.	Course	Course Code	Course Name	Periods			Scheme			Credits
				L	T	P	IA	ESE	Sub Total	
1.	Core 1	HIPBTT1	**कथा साहित्य (उपन्यास एवं नाटक)**	4	1	-	30	70	100	**5**
2.	Core 2	HIPBTT2	**रीतिकाव्य**	4	1	-	30	70	100	**5**
3.	Core 3	HIPBTT3	**हिंदी की लंबी कविताएँ**	4	1	-	30	70	100	**5**
4.	Soft Core Elective (Internal Choice)	HIPBTD1	**हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)**	4	1	-	30	70	100	**5**
		HIPBTD2	**भाषा विज्ञान**							
			Grand Total	**16**	**4**	**-**	**120**	**280**	**400**	**20**

Total Credits : 20 Total Contact Hours : 260 Total Marks : 400

L : Lecture, T : Tutorial, P : Practical, IA : Internal Assessment, ESE : End Semester Exam

Internal Assessment : Two Class Test of 15 Marks each will be conducted.

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातकोत्तर हिंदी
सेमेस्टर – III

S. N.	Course	Course Code	Course Name	Periods			Scheme			Credits
				L	T	P	IA	ESE	Sub Total	
1.	Core 1	HIPCTT1	**आदिकालीन काव्य**	4	1	-	30	70	100	**5**
2.	Core 2	HIPCTT2	**आधुनिक काव्य**	4	1	-	30	70	100	**5**
3.	Soft Core Elective (Internal Choice)	HIPCTD1	**आधुनिक विमर्श**	4	1	-	30	70	100	**5**
		HIPCTD2	**प्रयोजनमूलक हिंदी**							
4.	Soft Core Elective (Internal Choice)	HIPCTD3	**जनसंचार माध्यम**	4	1	-	30	70	100	**5**
		HIPCTD4	**नाटक और हिंदी सिनेमा**							
			Grand Total	**16**	**4**	**-**	**120**	**280**	**400**	**20**

Total Credits : 20 Total Contact Hours : 260 Total Marks : 400

L : Lecture, T : Tutorial, P : Practical, IA : Internal Assessment, ESE : End Semester Exam

Internal Assessment : Two Class Test of 15 Marks each will be conducted.

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातकोत्तर हिंदी
सेमेस्टर – IV

S.N.	Course	Course Code	Course Name	Periods			Scheme			Credits
				L	T	P	IA	ESE	Sub Total	
1.	Core 1	HIPDTT1	हिंदी की लंबी कहानियाँ	4	1	-	30	70	100	5
2.	Soft Core Elective (Internal Choice)	HIPDTD1	काव्यशास्त्र	4	1	-	30	70	100	5
		HIPDTD2	लोक-साहित्य							
3.	Research Methodology	HIPDTT2	शोध प्रविधि	2	-	-	30	70	100	2
4.	Dissertation/ Project Followed by Seminar 01	HIPDLD1	लघु शोध प्रबंध	-	-	-	-	100	100	6
			Grand Total	**10**	**2**	**-**	**90**	**310**	**400**	**18**

Total Credits : 18 Total Contact Hours : 230 Total Marks : 400

L : Lecture, T : Tutorial, P : Practical, IA : Internal Assessment, ESE : End Semester Exam

Internal Assessment : Two Class Test of 15 Marks each will be conducted.

स्नातकोत्तर हिंदी

S.N.	Course	Course Code	Course Name	Periods			Scheme			Credits
				L	T	P	IA	ESE	Sub Total	
1.	ABC	HIP ABC	हिंदी भाषा	4	1	-	30	70	100	5
			Grand Total	**4**	**1**	**-**	**30**	**70**	**100**	**5**

स्नातकोत्तर हिंदी
सेमेस्टर – I

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातकोत्तर हिंदी
सेमेस्टर – I
प्रश्न पत्र– प्रथम : भक्तिकाव्य

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
HIPATT1	**भक्तिकाव्य**	4	1	-	5 Hours	30	70	100	5

Course Objective :

- लोक जागरण का अध्ययन
- राजतंत्र की जगह ईश्वर की प्रतिष्ठा
- भक्तिकालीन सामाजिक, राजनीतिक एवं सांकृतिक परिस्थितियों का अध्ययन
- मनुष्य सत्य की स्थापना

Syllabus Content :

कबीर :

- रहना नहिं देस बिराना है
- बहुरि नहिं आवना या देस
- बांगड़ देस लुवन का घर है
- साधो, देखो जग बौराना
- झीनी-झीनी बीनी चदरिया
- हमन हैं इश्क मस्ताना

मलिक मोहम्मद जायसी :

- पद्मावत (बारहमासा)

मीरा :

- नहिं सुख भावै, थारो देसलड़ो रंगरूड़ो
- सिसोद्यो रूठयो तो म्हांरो काई करलेसी
- आज अनारी ले गयो सारी, बैठी कदम की डारी

रसखान :

- मानुष हौं तो वही रसखान
- सेष, गनेस, महेस, दिनेस, सुरेसहु जाहि निरंतर गावैं
- ब्रह्म में ढूँढयो पुरानन-गानन

सूरदास :

- आयो घोष बड़ो व्यापारी

❖ निरखत अंक स्याम सुंदर के बारबार लावति छाती
❖ ऊधो, मन माने की बात
❖ मेरो मन अनत कहाँ सुख पावै
❖ अति मलिन वृषभानु कुमारी

तुलसीदास : (कवितावली)

❖ धूत कहौ, अवधूत कहौ, रजपूत कहौ, जोलहा कहौ कोऊ
❖ किसबी, किसान-कुल बनिक, भिखारी भाट
❖ खेती न किसान को, भिखारी को न भीख, बलि
❖ मेरे जाति-पाँति न चहौं काहू की जाति-पाँति
❖ जागैं जोगी-जंगम, जती-जमाती ध्यान धरैं

हिंदीतर :

❖ दिव्य प्रबंध : आलवार (अनुदित) : तिरुविरुत्तम

सहायक ग्रंथ :

1. 'कबीर' : (सं.) हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. 'कबीर ग्रंथावली' : (सं.) श्यामसुंदर दास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. 'दूसरी परम्परा की खोज' : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. 'भक्ति आन्दोलन और सूर का काव्य' : मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. 'भक्ति आन्दोलन और भक्ति काव्य' : शिवकुमार मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. 'मीरा का काव्य' : विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. 'जायसी ग्रंथावली' : आ. रामचंद्र शुक्ल (सं.), वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. 'जायसी : विजयदेव नारायण साही' : हिंदुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद।
9. 'त्रिवेणी' : आ. रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
10. 'लोकजागरण और हिंदी साहित्य' : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. 'दिव्य प्रबंध' : (सं.) रामसिंह तोमर, विश्वभारती शान्तिनिकेतन, पश्चिम बंगाल।

Course Learning Outcomes :

- भक्ति काव्य का अध्ययन मध्ययुगीन भारतीय समाज के भीतर प्रवाहित हो रही लोकजागरण की उस सामाजिक चेतना का अध्ययन है, जिसकी भित्ति पर आधुनिक भारत में जनतांत्रिक वैज्ञानिक चेतना का विकास हुआ है।
- हिन्दी साहित्य के इतिहास से हमें समाज और साहित्य की संक्रमणकालीन दशा और उसके विकास की दिशा को समझने में मदद मिलेगी।
- साहित्य और समाज का सापेक्ष सम्बन्ध होने के कारण तत्कालीन समाज को समझने में सहायता मिलेगी।
- भक्तिकालीन साहित्य के सौंदर्यशास्त्र को जानना आवश्यक है। इससे तत्कालीन भारतीय समाज व्यवस्था के भीतर मनुष्य की परिकल्पना और लोकजागरण का ज्ञान हो सकेगा।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	3	2	3	3	2	3	2	2	2	1	2
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 4	3	2	3	2	3	3	1	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderately, 3- Strongly

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातकोत्तर हिंदी
सेमेस्टर – I
प्रश्न पत्र– द्वितीय : हिंदी निबंध

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
HIPATT2	हिंदी निबंध	4	1	-	5 Hours	30	70	100	5

Course Objective :

- इतिहास बोध की परम्परा का अध्ययन
- जीवनानुभवों का आत्मीय संप्रेषण
- स्वाधीनता संग्राम के विकास की प्रक्रिया का अध्ययन
- संस्कृतिकरण की समझ विकसित करना

Syllabus Content :

-: हिंदी निबंध :-

- **बालमुकुन्द गुप्त** :- शिवशम्भू के चिट्ठे : बनाम लार्ड कर्जन
- **भारतेंदु हरिश्चंद्र** :- स्वर्ग में विचार-सभा का अधिवेशन
- **आचार्य रामचंद्र शुक्ल** :- मानस की धर्म भूमि
- **आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी** :- अशोक के फूल
- **रामविलास शर्मा** :- 58 नंबर, नारियलवाली गली
- **मुक्तिबोध** :- मध्ययुगीन भक्ति-आंदोलन का एक पहलू
- **नामवर सिंह** :- केवल जलती मशाल
- **विद्यानिवास मिश्र** :- शेफाली झर रही है

-: हिंदीत्तर निबंध :-

- **ज्योतिबा फुले** :- गुलामगिरी (प्रस्तावना)
- **श्यामा चरण दुबे** :- इतिहास-बोध
- **एम. एन. श्रीनिवास** :- संस्कृतीकरण

सहायक ग्रंथ :

1. निराला की साहित्य साधना : भाग -1 : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. चिंतामणि, भाग -1 : आ. रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. समीक्षा की समस्याएं : गजानन माधव मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. कविता के नए प्रतिमान : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. गुलामगिरी : ज्योतिबा फुले, फारवर्ड प्रेस, नई दिल्ली।
7. समय और संस्कृति : श्यामा चरण दुबे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. आधुनिक भारत में सामाजिक परिवर्तन : एम. एन. श्रीनिवास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

Course Learning Outcomes :

- 1857 में प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष की अनुगूँज हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाओं में लिखे गए निबंधों में और साहित्य की दूसरी विधाओं में प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से सुनाई देने लगा है।
- इसका अध्ययन मूलतः स्वतंत्रता संघर्ष के विकास का भी अध्ययन है।
- तत्कालीन समाज व्यवस्था में निर्देशित सामाजिक मूल्यों का अध्ययन ज़रूरी है।
- प्रस्तुत प्रश्न-पत्र भारतीय ग्रामीण संरचना, उसकी सामुदायिकता, व्यक्तिवाद का उदय, स्वातंत्रयोत्तर भारत के समाज की विभिन्न हलचलों, आकांक्षाओं को समझने की दृष्टि से किसी समाजशास्त्री या इतिहासकार की तुलना में ज्यादा महत्वपूर्ण है।
- समाज को साहित्य की दृष्टि से देखने की समझ बढ़ेगी।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	3	2	3	3	2	3	2	2	2	1	2
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 4	3	2	3	2	3	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderately, 3- Strongly

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातकोत्तर हिंदी
सेमेस्टर – I
प्रश्न पत्र– तृतीय : हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
HIPATT3	हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)	4	1	-	5 Hours	30	70	100	5

Course Objective :

- सिद्ध, नाथ, जैन एवं प्रमुख रासो काव्य की सहायता से हिंदी की विकास-प्रक्रिया का अध्ययन करना
- मध्यकालीन समाज का अध्ययन
- कविताओं के माध्यम से लोक-जीवन का चित्रण

Syllabus Content :

प्रथम इकाई

हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, काल विभाजन एवं नामकरण, आदिकालीन साहित्यिक परंपराएं- सिद्ध, नाथ एवं जैन, प्रमुख रासो काव्य और उनकी प्रामाणिकता, अमीर खुसरो की हिंदी कविता।

विद्यापति और उनकी पदावली : (**वंशी माधुरी** : i. नंदक नंदन, ii. सुन रसिया **रूप वर्णन** : iii. सैसव जोवन, iv. खने-खने नयन, **विरह वर्णन** :v. मधुपुर मोहन गेल, vi. अंकुर तपन ताप)।

द्वितीय इकाई

भक्ति आंदोलन : सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, भक्ति आंदोलन और लोक जागरण, भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप, भक्ति आंदोलन और हिंदी प्रदेश।

तृतीय इकाई

भक्ति काल की सामान्य विशेषताएं, प्रमुख निर्गुण संत कवि, प्रमुख सगुण भक्त कवि, भारत में सूफी मत का उदय और विकास, हिंदी के प्रमुख सूफी कवि और काव्य ग्रंथ, सूफी काव्य धारा की सामान्य विशेषताएं।

चतुर्थ इकाई

रीतिकाल की ऐतिहासिक, सामाजिक पृष्ठभूमि, प्रमुख रीतिकालीन कवि, रीति काव्य की सामान्य विशेषताएं।

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. भक्ति आन्दोलन और सूर का काव्य : मैनेजर पाण्डेय : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. कबीर : (सं.) हजारीप्रसाद द्विवेदी : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. त्रिवेणी : आचार्य रामचंद्र शुक्ल : नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
6. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ. बच्चन सिंह : राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. साहित्यिक निबंध : गणपतिचन्द्र गुप्त : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. विद्यापति : डॉ. शिवप्रसाद सिंह : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

Course Learning Outcomes :

- किसी भी तरह के अनुशासन के व्यवस्थित अध्ययन के लिए उसके इतिहास का अध्ययन बेहद आवश्यक है।
- हिन्दी साहित्य के इतिहास से हमें समाज और साहित्य की संक्रमणकालीन दशा और उसके विकास की दिशा को समझने में मदद मिलेगी।
- प्रस्तुत प्रश्न-पत्र भारतीय ग्रामीण संरचना, उसकी सामुदायिकता, व्यक्तिवाद का उदय, स्वातंत्र्योत्तर भारत के समाज की विभिन्न हलचलों, आकांक्षाओं को समझने की दृष्टि से किसी समाजशास्त्री या इतिहासकार की तुलना में ज्यादा महत्वपूर्ण है।
- समाज को साहित्य की दृष्टि से देखने की समझ बढ़ेगी।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	3	2
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 4	3	2	2	2	3	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderately, 3- Strongly

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातकोत्तर हिंदी
सेमेस्टर – I
प्रश्न पत्र– चतुर्थ : भारतीय भाषाओं की कहानियाँ

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
HIPATT4	**भारतीय भाषाओं की कहानियाँ**	4	1	-	5 Hours	30	70	100	5

Course Objective :

- भारतीय समाज की सामाजिक समस्याओं का अध्ययन
- सामाजिक यथार्थ की कलात्मक अभिव्यक्ति
- कथा साहित्य के विकास-प्रक्रिया की समझ विकसित करना
- सांस्कृतिक रूपांतरण का समाजशास्त्रीय अध्ययन

Syllabus Content :

- **बांग्ला** : शरतचंद्र चट्टोपाध्याय : अभागी का स्वर्ग
- **असमी** : इंदिरा गोस्वामी : पुत्र कामना
- **उर्दू** : मंटो : टोबा टेक सिंह
- **कन्नड़** : यू. आर. अनंतमूर्ति : माँ
- **उड़िया** : लक्ष्मीकांत महापात्रा : बूढ़ा मनिहार
- **मराठी** : शंकर पाटील : रोटी का स्वाद
- **हिंदी** : प्रेमचंद : मुक्ति मार्ग
  मुक्तिबोध : पक्षीऔर दीमक
- **पंजाबी** : करतार सिंह दुग्गल : अपरिचित परिचित चेहरा
- **तमिल** : आर. चूड़ामणि : डॉक्टरनी का कमरा
- **मलयालम** : तकषी शिवशंकर पिल्लै : तहसीलदार के पिता

सहायक ग्रंथ :

1. भारतीय श्रेष्ठ कहानियाँ, भाग : 1 एवं 2 : (सं.) सन्हैयालाल ओझा : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. विवेक के रंग : देवीशंकर अवस्थी : भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. कहानी : नई कहानी : नामवर सिंह : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. नई कहानी : सन्दर्भ और प्रकृति : देवीशंकर अवस्थी : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. एक दुनिया : समानांतर : राजेन्द्र यादव, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. हिंदी कहानी का विकास : मधुरेश : लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. हिंदी कहानी का समकाल : अंकित नरवाल : आधार प्रकाशन पंचकूला।
8. कहानी : विचारधारा और यथार्थ : वैभव सिंह : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. नई सदी का पंचतंत्र : उदय प्रकाश : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

Course Learning Outcomes :

- साहित्य में यथार्थवाद के विकास की विभिन्न मंजिलों को समझने के लिए हिन्दी तथा अन्य भारतीय भाषाओं के कथा साहित्य का अध्ययन उस सामाजिक यथार्थ का अध्ययन है।
- जिसको आधार बनाकर स्वतंत्रता पूर्व औपनिवेशिक भारत के स्वरूप और स्वातंत्र्योत्तर भारत में औपनिवेशीकरण की प्रक्रिया का समाजशास्त्रीय अध्ययन संभव है।
- प्रस्तुत प्रश्न-पत्र भारतीय ग्रामीण संरचना, उसकी सामुदायिकता, व्यक्तिवाद का उदय, स्वातंत्रयोत्तर भारत के समाज की विभिन्न हलचलों, आकांक्षाओं को समझने की दृष्टि से किसी समाजशास्त्री या इतिहासकार की तुलना में ज्यादा महत्वपूर्ण है।
- समाज को साहित्य की दृष्टि से देखने की समझ बढ़ेगी।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	3	2
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	2	2
CO 4	3	2	2	2	3	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderately, 3- Strongly

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातकोत्तर हिंदी
सेमेस्टर – I
प्रश्न पत्र– Open Elective : हिंदी भाषा

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
HIPATL1	हिंदी भाषा	2	-	-	2 Hours	30	70	100	2

Course Objective :

- काव्यांग विवेचन की प्रक्रिया से अवगत होना
- अभिव्यक्ति को प्रोत्साहन देना
- प्रेम के उदात्त स्वरुप की पहचान
- अतीत-बोध के माध्यम से वर्तमान की समझ विकसित करना
- भारतीय काव्यशास्त्र के सम्प्रदायों से विद्यार्थियों को अवगत कराना

Syllabus Content :

- ❖ रस, अलंकार, शब्द शक्ति
- ❖ संप्रेषण की अवधारणा और महत्व, सम्प्रेषण तकनीक

साहित्य की विधाएँ

कहानी :

I. पुरस्कार : जयशंकर प्रसाद
II. बाजार में रामधन : कैलाश बनवासी

कविता :

I. जौहर (आरंभिक अंश- वंदना) : श्याम नारायण पाण्डेय
II. कामायनी (चिंता सर्ग) : जयशंकर प्रसाद

सहायक ग्रंथ :

1. सामान्य हिंदी : ओकार नाथ शर्मा : अरिहंत पब्लिकेशन्स (इंडिया) लिमिटेड।
2. कामायनी : जयशंकर प्रसाद : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. नई कहानी : सन्दर्भ और प्रकृति : देवीशंकर अवस्थी : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. एक दुनिया : समानांतर : राजेन्द्र यादव : राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. नयी कविता : एक साक्ष्य : रामस्वरूप चतुर्वेदी : लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद।
6. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां : नामवर सिंह : लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद।

Course Learning Outcomes :

- आधार पाठ्यक्रम के रूप में तैयार किये गए इस प्रश्नपत्र के माध्यम से हम विद्यार्थियों में हिंदी के सर्जनात्मक साहित्य के साथ-साथ उसके कलारूपों की सामान्य समझ विकसित कर सकेंगे।
- भाषा के बनने में व्याकरण के उपसर्ग, प्रत्यय एवं अन्य अवयवों का ज्ञान, नवीन परिवर्तनों के शब्दों को गढ़ने और भाषा को प्रभावशाली रूप में ढालने में महत्त्वपूर्ण भूमिका है।

- भाषा का अपना एक समाज होता है। समाज की निर्मिती को बेहतर तरीके प्रदर्शित करने के लिए भाषा का ज्ञान आवश्यक है।
- हिन्दी भाषी प्रदेशों में उच्च शिक्षाप्राप्त विद्यार्थियों से न्यूनतम अपेक्षा है कि वे अपनी भाषा की सामान्य विशेषताओं, लिपि और उसकी संवैधानिक स्थिति आदि के साथ-साथ उसके साहित्य से उनका सामान्य परिचय जरूर हो।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 4	3	2	1	2	3	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderately, 3- Strongly

स्नातकोत्तर हिंदी
सेमेस्टर – II

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातकोत्तर हिंदी
सेमेस्टर – II
प्रश्न पत्र– प्रथम : कथा साहित्य (उपन्यास एवं नाटक)

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
HIPBTT1	**कथा साहित्य (उपन्यास एवं नाटक)**	4	1	-	5 Hours	30	70	100	5

Course Objective :

- मध्यवर्गीय समाज की अवधारणा का अध्ययन
- अजनबीपन, कुंठा, एकाकीपन के सामाजिक प्रभाव का अध्ययन
- पारिवारिक विघटन और सामाजिक यथार्थ की पहचान करना
- वैयक्तिक अभिव्यक्ति एवं सामाजिक मूल्यों का साहित्यिक अध्ययन

Syllabus Content :

- **भारतेंदु हरिश्चंद्र** : अंधेर नगरी
- **जयशंकर प्रसाद** : ध्रुवस्वामिनी
- **धर्मवीर भारती** : अंधा युग
- **मोहन राकेश** : आधे अधूरे
- **हबीब तनवीर** : चरणदास चोर
- **शंकर शेष** : एक और द्रोणाचार्य
- **प्रेमचंद** : गोदान
- **फणीश्वरनाथ रेणु** : मैला आंचल
- **भीष्म साहनी** : तमस

सहायक ग्रंथ :

1. 'रंगमंच की कहानी' : देवेन्द्र राज अंकुर : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. 'आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच' : नेमिचन्द जैन : मैकमिलन प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. 'रंगमंच का सौन्दर्यशास्त्र' : देवेन्द्र राज अंकुर : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. 'हिंदी नाटक के सौ बरस' : अजित पुष्कल : शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली।
5. 'हिंदी नाटकों का आत्मसंघर्ष' : गिरीश रस्तोगी : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. 'उपन्यास और वर्चस्व की सत्ता' : वीरेंद्र यादव : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. 'परम्परा का मूल्यांकन' : रामविलास शर्मा : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. 'हिंदी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा' : रामदरश मिश्र : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. 'उपन्यास की भारतीयता और हिंदी आलोचना' : शम्भुनाथ मिश्र : ज्ञान भारती प्रकाशन, दिल्ली।

Course Learning Outcomes :

- आधुनिक भारत के सौ सालों की सामाजिक, राजनीतिक स्थितियों-परिस्थितियों, समाज की छोटी इकाई के रूप में परिवारों की संरचना में आ रहे बदलावों, उसके यथार्थ का अध्ययन करने के लिए इस प्रश्न पत्र का विशेष महत्व है।
- प्रस्तुत प्रश्न-पत्र भारतीय ग्रामीण संरचना, उसकी सामुदायिकता, व्यक्तिवाद का उदय, स्वातंत्र्योत्तर भारत के समाज की विभिन्न हलचलों, आकांक्षाओं को समझने की दृष्टि से किसी समाजशास्त्री या इतिहासकार की तुलना में ज्यादा महत्वपूर्ण है।
- समाज को साहित्य की दृष्टि से देखने की समझ बढ़ेगी।

- उपन्यास का अपना एक देश होता है। इससे भारतीय समाज को नए सन्दर्भों में देखने का प्रयास होगा।
- हिंदी कहानी का बाजार विभिन्न चैनलों द्वारा प्रसारित धारावाहिकों, वेबसीरीज और समानान्तर सिनेमा से लेकर व्यावसायिक सिनेमा के भीतर समृद्धतम रूप में समृद्ध और संभावनाशील है।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	3	3	3	3	2	3	2	2	3	3	2
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 4	3	2	3	2	3	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderately, 3- Strongly

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातकोत्तर हिंदी
सेमेस्टर – II
प्रश्न पत्र– द्वितीय : रीतिकाव्य

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
HIPBTT2	रीतिकाव्य	4	1	-	5 Hours	30	70	100	5

Course Objective :

- प्रेम की विविध भावाभिव्यक्तियों का विश्लेषण
- सामंती वर्ग की विशिष्ट सांस्कृतिक परम्परा का अध्ययन
- अलंकार और रस प्रियता का अध्ययन
- रोमांटिक कवियों की सहृदयता का वर्णन
- शब्द चयन और शब्द योजना को समझना

Syllabus Content :

बिहारी

- छुटी न सिसुता की झलक
- कुटिल अलक छुटि परत
- निसि अंधियारी नील पर
- बतरस लालच लाल की
- कहत नटत रीझत खिझत
- पत्रा ही तिथि पाइए
- इत आवति चलि जात
- छकि रसाल सौरभ सने
- सघन कुंज छाया सुखद
- चुवत स्वेद मकरंद कन
- पट पांखै भखु

देव

- धार में धाई धँसी
- लोग लुगाइन होरी लगाई
- सांझ ही स्याम को लैन गई
- माखन सो मन दूध सो जोवन है
- आइहौं देखि बधू इक देव सो

आलम

- जा थल कीन्हें विहार अनेकन
- सित रितु भीत भई
- लता प्रसून डोल बोल कोकिला अलाप केकि
- आइ सीरी साँझ भीर गैयाँ दौरी आई घर

घनानंद

- ❖ पहिले अपनाय सुजान सनेह सों
- ❖ रावरे रूप की रीति अनूप
- ❖ अति सूधो सनेह को मारगु हैं
- ❖ हीन भए जल मीन अधीन
- ❖ चंद चकोर की चाह करै

केशव

- ❖ रामचंद्रिका : पंचवटी (वन वर्णन)

नजीर अकबराबादी

- ❖ श्री कृष्ण का बालपन
- ❖ आदमीनामा
  - ➢ दुनिया में बादशाह है सो है वह आदमी
  - ➢ यां आदमी ही नार है और आदमी ही नूर
  - ➢ मस्जिद भी आदमी ने बनाई है
  - ➢ बैठे हैं आदमी ही दुकानें लगा लगा
  - ➢ मरने पै आदमी ही कफ़न करते हैं तैयार

सहायक ग्रंथ :

1. 'रीतिकाव्य की भूमिका' : डॉ. नगेन्द्र : नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
2. 'हिंदी साहित्य का इतिहास' : आचार्य रामचंद्र शुक्ल : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. 'हिंदी साहित्य का अतीत', भाग – 1 एवं 2 : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. 'हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास' : बच्चन सिंह : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. 'नजीर अकबराबादी और उनकी शायरी' : प्रकाश पंडित : राजपाल एंड संस, दिल्ली।
6. 'दीवान –ए –मीर' : सं. अली सरदार जाफ़री : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. 'उर्दू आलोचना के शिखर पुरुष' : शम्सुर्रहमान फारूकी : भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
8. 'उर्दू साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास' : सैय्यद एहतेशाम हुसैन : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
9. 'बिहारी का नया मूल्याँकन' : डॉ. बच्चन सिंह : हिंदी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी।

Course Learning Outcomes :

- उत्तर मध्य युग की इस प्रमुख काव्यधारा का अध्ययन इस दृष्टि से अत्यधिक महत्त्वपूर्ण है।
- यहां समाज के उच्चवर्ग की क्षयिष्णु और कुलीन अभिरुचियों के समानांतर उस जनकाव्य की धारा का स्रोत मिलना शुरू हो गया था, कालांतर में जिसका विकास आधुनिक युग के साहित्य की अलग-अलग विधाओं में एक साथ हो रहा था।
- हिन्दी साहित्य के इतिहास से हमें समाज और साहित्य की संक्रमणकालीन दशा और उसके विकास की दिशा को समझने में मदद मिलेगी।
- साहित्य और समाज का सापेक्ष सम्बन्ध होने के कारण तत्कालीन समाज को समझने में सहायता मिलेगी। समाज की लोक परम्परा का ज्ञान बढाने में मदद मिलेगी।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 4	3	2	1	2	3	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderately, 3- Strongly

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातकोत्तर हिंदी
सेमेस्टर – II
प्रश्न पत्र – तृतीय: हिंदी की लंबी कविताएँ

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
HIPBTT3	हिंदी की लंबी कविताएँ	4	1	-	5 Hours	30	70	100	5

Course Objective :

- महाकाव्यों के स्थानापन्न
- समय की शिनाख्त
- नायक की जगह चरित्र

Syllabus Content :

1. **राम की शक्ति-पूजा** : सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
2. **असाध्य वीणा** : सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'
3. **प्रमथ्यु गाथा** : धर्मवीर भारती
4. **चकमक की चिंगारियाँ** : मुक्तिबोध
5. **पटकथा** : सुदामा प्रसाद पाण्डेय 'धूमिल'
6. **ब्रूनों की बेटियाँ** : आलोकधन्वा

सहायक ग्रंथ :

1. राग-विराग : सं. रामविलास शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. कविता के नए प्रतिमान : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
3. आँगन के पार-द्वार : अज्ञेय, ज्ञानपीठ प्रकाशन, नयी दिल्ली।
4. चाँद का मुँह टेढ़ा है : मुक्तिबोध, ज्ञानपीठ प्रकाशन, नयी दिल्ली।
5. संसद से सड़क तक : धूमिल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
6. सात गीत वर्ष : धर्मवीर भारती, ज्ञानपीठ प्रकाशन, नयी दिल्ली।
7. दुनिया रोज बनती है : आलोकधन्वा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
8. नयी कविता : एक साक्ष्य : रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

Course Learning Outcomes :

- पुराने महाकाव्यों में जो स्थान नायक के चरित्र-चित्रण का था। लंबी कविताओं में वही स्थान अपने समय और समाज के चित्रण का है।
- बिम्ब विधान, सपाट बयानी, फैंटेसी और काव्यगत प्रवाहमयता के शिल्प में लंबी कविताएं वास्तव में अपने समय और समाज का वह इतिहास प्रस्तुत करते हैं जिसे अक्सर इतिहास की किताबों में नजरअंदाज कर दिया गया है।
- प्रस्तुत प्रश्न-पत्र भारतीय ग्रामीण संरचना, उसकी सामुदायिकता, व्यक्तिवाद का उदय, स्वातंत्र्योत्तर भारत के समाज की विभिन्न हलचलों, आकांक्षाओं को समझने की दृष्टि से किसी समाजशास्त्री या इतिहासकार की तुलना में ज्यादा महत्वपूर्ण है।
- समाज को साहित्य की दृष्टि से देखने की समझ बढ़ेगी।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	3	2
CO 4	3	2	2	2	3	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderately, 3- Strongly

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातकोत्तर हिंदी
सेमेस्टर – II
प्रश्न पत्र – चतुर्थ (वैकल्पिक) : हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
HIPBTD1	**हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)**	4	1	-	5 Hours	30	70	100	5

Course Objective :

- हिंदी के नवजागरण कालीन साहित्य का अध्ययन करना
- हिंदी के नए स्वरुप से परिचित होना
- हिंदी गद्य की सभी विधाओं के सूत्रपात का अध्ययन करना
- आधुनिकता की अवधारणा

Syllabus Content :

प्रथम इकाई

आधुनिकता की अवधारणा, हिंदी गद्य एवं आधुनिकता का अंतर्संबंध, हिंदी-उर्दू विवाद, खड़ी बोली के विकास की पृष्ठभूमि।

द्वितीय इकाई

नवजागरण की संकल्पना और हिंदी नवजागरण, हिंदी पत्रकारिता की विकास यात्रा, हिंदी की जातीय चेतना के विकास में हिंदी पत्रकारिता की भूमिका।

तृतीय इकाई

भारतेंदु मंडल, भारतेंदु युगीन प्रमुख पत्र पत्रिकाएं, भारतेंदु युगीन साहित्यिक प्रवृत्तियां एवं विभिन्न गद्य विधाओं का उदय और विकास, द्विवेदी युग : ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक परिस्थितियां, हिंदी नवजागरण और सरस्वती पत्रिका, मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा।

चतुर्थ इकाई

प्रेमचंद युग, छायावाद, प्रसाद युग, प्रगतिशील साहित्य की प्रवृतियां, समकालीन साहित्य।

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी का गद्य साहित्य : रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. भारतेंदु युग और हिंदी गद्य की विकास परंपरा : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिंदी पत्रकारिता : कृष्ण बिहारी मिश्र, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली
4. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. भारतीय हिंदू एवं द्विवेदी युगीन भाषा चिंतन और पंडित गोविंद नारायण मिश्र : डॉ. जया सिंह, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां : नामवर सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. हिंदी आलोचना के बीज शब्द : बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
8. हिंदी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ. नगेन्द्र, मयूर प्रकाशन, दिल्ली

Course Learning Outcomes :

- हिन्दी साहित्य के आधुनिक काल का इतिहास वास्तव में आधुनिक भारत के इतिहास का भी अध्ययन है।
- प्रथम स्वाधीनता संघर्ष से लेकर आजादी और फिर उसके बाद के राजनीतिक उतार चढ़ाव की समग्र सामाजिक, राजनीतिक पृष्ठभूमि का ब्यौरेवार अध्ययन इस प्रश्न पत्र की विशेषता है।

- प्रस्तुत प्रश्न-पत्र भारतीय ग्रामीण संरचना, उसकी सामुदायिकता, व्यक्तिवाद का उदय, स्वातंत्रयोत्तर भारत के समाज की विभिन्न हलचलों, आकांक्षाओं को समझने की दृष्टि से किसी समाजशास्त्री या इतिहासकार की तुलना में ज्यादा महत्वपूर्ण है।
- समाज को साहित्य की दृष्टि से देखने की समझ बढ़ेगी।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	2	2
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 4	3	2	3	2	3	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderately, 3- Strongly

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातकोत्तर हिंदी
सेमेस्टर – II
प्रश्न पत्र – चतुर्थ (वैकल्पिक) : भाषा विज्ञान

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
HIPBTD2	भाषा विज्ञान	4	1	-	5 Hours	30	70	100	5

Course Objective :

- बोलियों का समाजशास्त्रीय अध्ययन
- भाषा का महत्व
- देवनागरी लिपि के विकास-क्रम और वैज्ञानिकता का अध्ययन
- हिंदी की भाषिक संरचना का महत्व

Syllabus Content :

प्रथम इकाई
भाषा की परिभाषा, तत्व, अंग और विशेषताएं, भाषा परिवर्तन के कारण एवं दिशाएं, साहित्यिक हिंदी के रूप में खड़ी बोली का उदय और विकास

द्वितीय इकाई
स्वनिम विज्ञान : परिभाषा, स्वन, सस्वन, स्वनिम, स्वन भेद, स्वन परिवर्तन के कारण एवं दिशाएं, रूपिम विज्ञान : शब्द और रूप, संबंध तत्व और अर्थ तत्व, रूप, संरूप, रूपिमों का स्वरूप, रूपिमों का वर्गीकरण

तृतीय इकाई
वाक्य विज्ञान : वाक्य की परिभाषा एवं स्वरूप, वाक्य रचना, वाक्य के प्रकार, वाक्य परिवर्तन के कारण एवं दिशाएं, अर्थ विज्ञान : शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन के कारण एवं दिशाएं

चतुर्थ इकाई
हिंदी की बोलियाँ : वर्गीकरण तथा क्षेत्र, नागरी लिपि: वैज्ञानिकता और विकास, देवनागरी लिपि का मानकीकरण, राजभाषा हिंदी की संवैधानिक स्थिति

सहायक ग्रंथ :

1. 'हिंदी भाषा' : हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति पब्लिकेशन, जोधपुर।
2. 'भाषा विज्ञान' : भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद।
3. 'भाषा विज्ञान की भूमिका' : देवेंद्र नाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
4. 'हिंदी शब्दानुशासन' : किशोरीदास वाजपेई, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
5. 'भारत की भाषा समस्या' : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. 'हिंदी व्याकरण' : कामता प्रसाद गुरु, पराग प्रकाशन, दिल्ली।

Course Learning Outcomes :

- भाषा एक सामाजिक और अर्जित संपत्ति है। भाषा के विकास में सामाजिक विकास एक मुख्य कारक होता है।
- ध्वनि परिवर्तन, अर्थ परिवर्तन आदि भाषा के नाना रूपों में होने वाले परिवर्तनों के मूल में सामाजिक, भौगोलिक और सांस्कृतिक कारण होते हैं।
- बोलियों के सामाजिक साहित्यिक योगदान में राजनीति आदि की भूमिका उसके स्वरूप का व्यापक अध्ययन इस प्रश्न पत्र की विशेषता है।

- हिन्दी भाषी प्रदेशों में उच्च शिक्षाप्राप्त विद्यार्थियों से न्यूनतम अपेक्षा है कि वे अपनी भाषा की सामान्य विशेषताओं, लिपि और उसकी संवैधानिक स्थिति आदि के साथ-साथ उसके साहित्य से उनका सामान्य परिचय जरूर हो।
- इसे ही ध्यान में रखकर यह आधार पाठ्यक्रम तैयार किया गया है, जिसकी पूर्ति इस पाठ्यक्रम से संभव हो सकेगी।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	2	2
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	2	1	3	1	2
CO 4	3	2	3	2	3	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderately, 3- Strongly

स्नातकोत्तर हिंदी

सेमेस्टर – III

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातकोत्तर हिंदी

सेमेस्टर – III

प्रश्न पत्र – प्रथम: आदिकालीन काव्य

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
HIPCTT1	**आदिकालीन काव्य**	4	1	-	5 Hours	30	70	100	5

Course Objective :

- अपभ्रंश का सामान्य परिचय
- सिद्ध, नाथ और जैन साहित्य का अध्ययन
- लोक साहित्य की पहचान
- हिंदी के विकास-क्रम और उसकी प्रवृत्तियों का सामाजिक अध्ययन

Syllabus Content :

- **सरहपा** : दोहाकोश (5 दोहे)
  1. जाव ण आप जणिज्जइ..., 2. जहि मण पवण ण संचरइ..., 3. आइ ण अंत ण मज्झ णउ..., 4. विसअ विसुद्धेणउरमइ..., 5. अक्खर बाढ़ा सअल जगु... ।
- **अद्दहमाण** : सन्देश रासक (द्वितीय प्रक्रम:)
- **चंदबरदाई** : पृथ्वीराज रासो (कयमास वध)
- **विद्यापति** : पदावली (सं. शिवप्रसाद सिंह) रूप वर्णन- 10,11, 12, 13, 16 विरह – 54, 56
- **अमीर खुसरो** : 1. खुसरो रैन सुहाग की..., 2. खुसरो दरिया प्रेम का..., 3. खीर पकायी जतन से..., 4. गोरी सोवे सेज पर..., 5. खुसरो मौला के रुठते
  गीत – जेहाल मिस्कीं, काँहें को ब्याहे बिदेस, खुसरो रैन सुहाग की ।

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी के विकास में अपभ्रंश का योग : नामवर सिंह : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
2. सन्देश रासक : हजारी प्रसाद द्विवेदी : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
3. विद्यापति पदावली : (सं.) शिवप्रसाद सिंह : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
4. हिंदी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल : प्रभात प्रकाशन, म.प्र.।
5. हिंदी साहित्य का आदिकाल : हजारी प्रसाद द्विवेदी : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
6. हिंदी साहित्य की भूमिका : हजारी प्रसाद द्विवेदी : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
7. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास : बच्चन सिंह : राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।
8. पृथ्वीराज रासो : सं. हजारी प्रसाद द्विवेदी, नामवर सिंह, साहित्य भवन, इलाहाबाद ।
9. अमीर खुसरो : परमानंद पांचाल, भोलानाथ तिवारी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली ।

Course Learning Outcomes :

- हिन्दी भाषा के पूर्ववर्ती रूप अपभ्रंश, जिसके लिखित रूप से ही हिन्दी साहित्य का व्यवस्थित इतिहास शुरू होता है-- का अध्ययन हिन्दी साहित्य के विकास की दिशा और विभिन्न कालावधियों में उसकी प्रवृत्तियों का अध्ययन, उसके सामाजिक संदर्भों को जानने के लिए आवश्यक है ।

- प्रस्तुत प्रश्न-पत्र भारतीय ग्रामीण संरचना, उसकी सामुदायिकता, व्यक्तिवाद का उदय, स्वातंत्रयोत्तर भारत के समाज की विभिन्न हलचलों, आकांक्षाओं को समझने की दृष्टि से किसी समाजशास्त्री या इतिहासकार की तुलना में ज्यादा महत्वपूर्ण है।
- समाज को साहित्य की दृष्टि से देखने की समझ बढ़ेगी।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 4	3	2	3	2	3	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderately, 3- Strongly

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातकोत्तर हिंदी
सेमेस्टर – III
प्रश्न पत्र – द्वितीय : आधुनिक काव्य

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
HIPCTT2	**आधुनिक काव्य**	4	1	-	5 Hours	30	70	100	5

Course Objective :

- स्वच्छंदता और स्वतंत्रता
- काव्यगत सीमा का विस्तार
- पुनरुत्थानवाद की क्रांतिकारी भूमिका

Syllabus Content :

- **मुकुटधर पांडेय** : ग्राम्य जीवन
- **मैथिलीशरण गुप्त** : पंचवटी वर्णन (चारु चंद्र की चंचल किरणें)
- **जयशंकर प्रसाद** : कामायनी (इड़ा सर्ग)
- **सूर्यकांत त्रिपाठी निराला** : सरोज स्मृति
- **सुमित्रानंदन पंत** : नौका विहार
- **महादेवी वर्मा** : मैं नीर भरी दुख की बदली, पंथ होने दो अपरिचित
- **रामधारी सिंह दिनकर** : कुरुक्षेत्र (पहला सर्ग)
- **माखनलाल चतुर्वेदी** : अमर राष्ट्र
- **भवानी प्रसाद मिश्र** : सतपुड़ा के घने जंगल
- **रवींद्रनाथ टैगोर** : अहल्या के प्रति (हिंदीत्तर काव्य)

सहायक ग्रंथ :

1. 'छायावाद' : नामवर सिंह : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. 'आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां' : नामवर सिंह : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. 'कविता के नए प्रतिमान' : नामवर सिंह : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. 'कविता समय' : डॉ. गौरी त्रिपाठी : उत्कर्ष प्रकाशन, कानपुर।
5. 'नयी कविता और अस्तित्ववाद' : रामविलास शर्मा : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. 'कविता का जनपद' : अशोक वाजपेयी : राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. 'नयी कविता : एक साक्ष्य' : रामस्वरूप चतुर्वेदी : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
8. 'समकालीन कविता का व्याकरण' : परमानंद श्रीवास्तव : शुभदा प्रकाशन, दिल्ली।
9. 'कामायनी : एक पुनर्विचार' : मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

Course Learning Outcomes :

- 20वीं सदी में भारतीय समाज के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में मध्यवर्ग की प्रभावी भूमिका बनने लगी थी।
- समाज को देखने का उसका यथार्थवादी दृष्टिकोण, नैतिकता, आदर्शपरक जीवन-मूल्य, कल्पनाशीलता, वैचारिक आग्रह आदि इस युग की आधुनिक काव्य में नाना शिल्प विधान के साथ मूर्तमान हो उठे थे।

- इस प्रश्न पत्र का अध्ययन बीसवीं सदी के ऐतिहासिक, सामाजिक और राजनीतिक हलचलों का एक साथ अध्ययन होगा।
- प्रस्तुत प्रश्न-पत्र भारतीय ग्रामीण संरचना, उसकी सामुदायिकता, व्यक्तिवाद का उदय, स्वातंत्र्योत्तर भारत के समाज की विभिन्न हलचलों, आकांक्षाओं को समझने की दृष्टि से किसी समाजशास्त्री या इतिहासकार की तुलना में ज्यादा महत्वपूर्ण है।
- समाज को साहित्य की दृष्टि से देखने की समझ बढ़ेगी।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	3	2
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 4	3	2	3	2	3	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderately, 3- Strongly

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातकोत्तर हिंदी
सेमेस्टर – III
प्रश्न पत्र – तृतीय (वैकल्पिक) : आधुनिक विमर्श

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
HIPCTD1	आधुनिक विमर्श	4	1	-	5 Hours	30	70	100	5

Course Objective :

- उत्तर आधुनिकता की साहित्यिक पृष्ठभूमि
- वंचित समुदाय की वापसी
- स्वानुभूतजन्य यथार्थ

Syllabus Content :

प्रथम इकाई

दलित विमर्श : सामाजिक पृष्ठभूमि, वैचारिकी के प्रश्न, दलित अस्मिता

स्त्री विमर्श : सामाजिक पृष्ठभूमि, अवधारणा एवं स्त्री मुक्ति संबंधी चिंतन : जॉन स्टुअर्ट मिल, सीमोन द बोउवार, महादेवी वर्मा

द्वितीय इकाई

आदिवासी विमर्श : पृष्ठभूमि, अवधारणा, आदिवासी लेखन एवं वैचारिकी के आयाम, प्रमुख आदिवासी विमर्शकार

तृतीय इकाई

कहानी :

ठाकुर का कुआं : प्रेमचंद
आधा शहर : उषा प्रियंवदा

लंबी कहानी :

भगदत्त का हाथी : संृजय

चतुर्थ इकाई

आत्मकथा :

अन्या से अनन्या : प्रभा खेतान
जूठन : ओमप्रकाश वाल्मिकी

निबंध :

शृंखला की कड़ियाँ : महादेवी वर्मा

सहायक ग्रंथ :

1. कामरेड का कोट : संृजय, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र : ओमप्रकाश वाल्मिकि, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका : मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. जाति व्यवस्था : सच्चिदानंद सिन्हा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. नारी प्रश्न : सरला माहेश्वरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. स्त्री विमर्श भारतीय परिप्रेक्ष्य : डॉ. के. एम. मालती, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

7. बाजार के बीच : बाजार के खिलाफ : प्रभा खेतान, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. आधुनिकता के आईने में दलित : सं. अभय कुमार दुबे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. सामाजिक न्याय और दलित साहित्य : सं. श्योराज सिंह बैचेन : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

Course Learning Outcomes :

- बीसवीं सदी के अंतिम दशक से विश्व स्तर पर शीतयुद्ध की समाप्ति, भूमंडलीकरण और बाजारवाद के वर्चस्व की वजह से साहित्य और समाज में उत्तर आधुनिक युग का प्रारंभ हुआ।
- साहित्य में सबाल्टर्न डिस्कोर्स की पृष्ठभूमि बननी शुरू हुई। जो अबतक हाशिये पर थे वे केंद्र बनने लगे।
- दलित विमर्श, स्त्री विमर्श, आदिवासी विमर्श आदि की वैचारिकी उसकी परंपरा आदि का अध्ययन इस प्रश्न पत्र की विशेषता है।
- प्रस्तुत प्रश्न-पत्र भारतीय ग्रामीण संरचना, उसकी सामुदायिकता, व्यक्तिवाद का उदय, स्वातंत्र्योत्तर भारत के समाज की विभिन्न हलचलों, आकांक्षाओं को समझने की दृष्टि से किसी समाजशास्त्री या इतिहासकार की तुलना में ज्यादा महत्वपूर्ण है।
- समाज को साहित्य की दृष्टि से देखने की समझ बढ़ेगी।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 4	3	2	1	2	3	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderately, 3- Strongly

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातकोत्तर हिंदी
सेमेस्टर – III
प्रश्न पत्र – तृतीय (वैकल्पिक) : प्रयोजनमूलक हिंदी

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
HIPCTD2	**प्रयोजनमूलक हिंदी**	4	1	-	5 Hours	30	70	100	5

Course Objective :

- प्रभावशाली अभिव्यक्ति और मातृभाषा
- संपर्क भाषा
- भाषा का कार्यालयी स्वरुप

Syllabus Content :

- मातृभाषा एवं अन्य भाषा के रूप में हिन्दी, संपर्क भाषा, राजभाषा के रूप में हिन्दी, बोलचाल की सामान्य हिन्दी, मानक हिन्दी और साहित्यिक हिन्दी, संविधान में हिन्दी।
- हिंदी की शैलियाँ : हिन्दी, उर्दू और हिन्दुस्तानी।
- हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास।
- हिन्दी का मानकीकरण।
- पारिभाषिक शब्दावली –स्वरूप एवं महत्त्व, पारिभाषिक शब्दावली के उदाहरण और व्यावहारिक प्रयोग।
- हिन्दी का प्रयोग क्षेत्र : भाषा प्रयुक्ति की संकल्पना, वार्ता-प्रकार और शैली।
- प्रयोजनमूलक हिन्दी के प्रमुख प्रकार : कार्यालयी हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण, वैज्ञानिक हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण, व्यावसायिक हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण, संचार माध्यम (आकाशवाणी, दूरदर्शन, चलचित्र) की हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण।
- भाषा व्यवहार : सरकारी पत्राचार, टिप्पणी तथा मसौदा-लेखन, सरकारी अथवा व्यावसायिक पत्र-लेखन।
- हिन्दी में पारिभाषिक शब्द निर्माण प्रक्रिया एवं प्रस्तुति।

सहायक ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी : भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी : लक्ष्मीकान्त पाण्डेय, प्रमिला अवस्थी, आशीष प्रकाशन, कानपुर।
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी : डॉ. रमेशचंद्र त्रिपाठी, अलका प्रकाशन, कानपुर।
4. मीडिया लेखन : सिद्धांत और व्यवहार : डॉ. चंद्रप्रकाश मिश्र, संजय प्रकाशन,नई दिल्ली।
5. मीडिया लेखन और सम्पादन कला : डॉ. गोविन्द प्रसाद, अनुपम पाण्डेय, डिस्कवरी पब्लिशिंग हॉउस, नई दिल्ली।
6. जनसंचार माध्यमों में हिन्दी : डॉ. चन्द्रकुमार, बी.के. तनेजा क्लासिकल पब्लिशिंग कंपनी, नई दिल्ली।

Course Learning Outcomes :

- सरकारी कार्यालयों में प्रयुक्त होने वाली शब्दावलियां परंपरागत हिंदी के व्यवहार में नहीं रही हैं।
- इसके अलावा आज हिन्दी अनिवार्य रूप से बाजार तथा संचार माध्यमों की भाषा बनती जा रही है।
- इन सारी चुनौतियों को देखते हुए नये विभिन्न भाषाओं के प्रचलित शब्दभंडार को हिंदी भाषा के व्यवहार में अपनाते हुए उनका मानकीकरण इस पाठ्यक्रम की विशेषता है।
- यह प्रश्नपत्र कार्यालयों में हिंदी के प्रयोग से छात्रों को न सिर्फ परिचित कराता है, बल्कि उनके भीतर कार्यालयी हिंदी के रचनात्मक स्वरुप को विकसित करने की संभावना के लिए भी उपयोगी है।
- भाषा के बनने में व्याकरण के उपसर्ग, प्रत्यय एवं अन्य अवयवों का ज्ञान, नवीन परिवर्तनों के शब्दों को गढ़ने और भाषा को प्रभावशाली रूप में ढालने में महत्त्वपूर्ण भूमिका है।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	3	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 4	3	1	1	2	3	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderately, 3- Strongly

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातकोत्तर हिंदी
सेमेस्टर – III
प्रश्न पत्र – चतुर्थ (वैकल्पिक) : जनसंचार माध्यम

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
HIPCTD3	**जनसंचार माध्यम**	4	1	-	5 Hours	30	70	100	5

Course Objective :

- अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता और स्वरुप
- साहित्यिक पत्रकारिता
- संचार क्रान्ति के दौर में मीडिया

Syllabus Content :

- **भारत में संचार माध्यमों का विकास : प्रिंट, रेडियो, टी.वी., इंटरनेट।**
- **हिंदी पत्रकारिता का इतिहास और वर्तमान।**
- **साहित्यिक पत्रकारिता : उद्भव और विकास :-** सरस्वती, विशाल भारत, हंस, माधुरी, कल्पना, ज्ञानोदय, कथादेश, पहल, तद्भव।
- **संपादन के आधारभूत तत्व।**
- **समाचार लेखन, विज्ञापन लेखन, पुस्तक समीक्षा, साक्षात्कार।**
- **प्रिंट मीडिया का बदलता स्वरूप।**
- **पत्रकारिता का प्रतिपक्ष, सोशल मीडिया : दशा और दिशा।**
- **अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता।**

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी पत्रकारिता : कृष्णबिहारी मिश्र, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
2. संचार माध्यमों का वर्ग चरित्र : रेमण्ड विलियम्स, ग्रंथ शिल्पी, (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली।
3. साक्षात्कार : सिद्धांत और व्यवहार : रामशरण जोशी, हिंदी बुक सेंटर, हैदराबाद।
4. संस्कृति विकास और संचार क्रांति : पी. सी. जोशी, ग्रन्थ शिल्पी, नई दिल्ली।

Course Learning Outcomes :

- आधुनिक युग सूचना क्रान्ति तथा संचार प्रौद्योगिकी के रूप में जाना जा रहा है।
- हिंदी पत्रकारिता का इतिहास स्वतंत्रता आंदोलन में उसकी भूमिका, उसका स्वरूप, उसकी चुनौतियां तथा आज के युग में उसकी भूमिका का अध्ययन इस पाठ्यक्रम के माध्यम से संभव हो सकेगा।
- यह पाठ्यक्रम वैकल्पिक विषय के रूप में मीडिया के नाना रूपों में हिंदी की संभावना के मद्देनजर तैयार किया गया है।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	3	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 4	3	2	1	2	3	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderately, 3- Strongly

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातकोत्तर हिंदी

सेमेस्टर – III

प्रश्न पत्र – चतुर्थ (वैकल्पिक) : नाटक और हिंदी सिनेमा

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
HIPCTD4	**नाटक और हिंदी सिनेमा**	4	1	-	5 Hours	30	70	100	5

Course Objective :

- समष्टि की सृजनशीलता
- साहित्य का बाजार
- अभिव्यक्ति कौशल के रूप

Syllabus Content :

- पारसी थियेटर से आधुनिक रंगमंच की विकास यात्रा
- एन.एस.डी. (राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय) की भूमिका, नुक्कड़ नाटक
- हिंदी सिनेमा का इतिहास
- सिनेमा का बाजार और बाजार में सिनेमा
- सिनेमा और समाज - स्त्री पक्ष, दलित पक्ष, आदिवासी पक्ष
- समानांतर सिनेमा की अवधारणा, लघु वृत्तचित्र
- सिनेमा का बदलता स्वरूप : वस्तु और विन्यास
- पटकथा लेखन, संवाद संयोजन, सिनेमा समीक्षा
- स्थानीय लोककलाओं पर आधारित संक्षिप्त वृत्तचित्र प्रस्तुति (विद्यार्थियों द्वारा)
- साहित्य की विविध विधाओं की कार्यशाला
- फिल्म समीक्षा - रजनीगंधा, मोहल्ला अस्सी और 'पंचायत'(वेब सीरीज)

सहायक ग्रंथ :

1. भारतीय सिनेमा का इतिहास : अनिल भार्गव, सिने साहित्य प्रकाशन, जयपुर।
2. हिंदी सिनेमा आदि से अनंत : प्रह्लाद अग्रवाल, साहित्य भंडार, इलाहाबाद।
3. पटकथा लेखन : मनोहर श्याम जोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. कथा-पटकथा : मन्नू भंडारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
5. सिनेमा और संस्कृति : राही मासूम रजा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
6. सिनेमा समय : विष्णु खरे, अनन्या प्रकाशन, नई दिल्ली।

Course Learning Outcomes :

- सिनेमा नाटक साहित्य तथा कला का आदि और अधुनातन स्वरूप है।
- सिनेमा के रूप में आज इसका बहुत बड़ा बाजार भी है।
- हिंदी साहित्य की बहुत बड़ी व्यावसायिक संभावना के रूप में स्क्रिप्ट राइटिंग का एक क्षेत्र इस माध्यम से उद्घाटित हो रहा है। इन सबके दृष्टिगत यह प्रश्नपत्र तैयार किया गया है।
- प्रस्तुत प्रश्न-पत्र भारतीय ग्रामीण संरचना, उसकी सामुदायिकता, व्यक्तिवाद का उदय, स्वातंत्रयोत्तर भारत के समाज की विभिन्न हलचलों, आकांक्षाओं को समझने की दृष्टि से किसी समाजशास्त्री या इतिहासकार की तुलना में ज्यादा महत्वपूर्ण है।
- समाज को साहित्य की दृष्टि से देखने की समझ बढ़ेगी।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 4	3	2	2	2	3	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderately, 3- Strongly

स्नातकोत्तर हिंदी
सेमेस्टर – IV

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातकोत्तर हिंदी
सेमेस्टर – IV
प्रश्न पत्र – प्रथम : हिंदी की लंबी कहानियाँ

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
HIPDTT1	**हिंदी की लंबी कहानियाँ**	4	1	-	5 Hours	30	70	100	5

Course Objective :

- समय का चरित्र
- इतिहास का कथा-रूप
- विधाओं का अतिक्रमण
- समीक्षा दृष्टि

Syllabus Content :

- **बहिर्गमन** : ज्ञानरंजन
- **कविता की नयी तारीख** : काशीनाथ सिंह
- **तिरिछ** : उदय प्रकाश
- **हिंगवा घाट में पानी रे** : चंद्रकिशोर जायसवाल
- **तिरिया चरित्तर** : शिवमूर्ति
- **दर्शक** : प्रियंवद
- **जलडमरूमध्य** : अखिलेश
- **क्षमा करो हे वत्स !** : देवेंद्र
- **गोमा हँसती है** : मैत्रेयी पुष्पा
- **पानी** : मनोज कुमार पांडेय

सहायक ग्रंथ :

1. कहानी नयी कहानी : नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. हिंदी कहानी का इतिहास, भाग 1, 2 और 3 : गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. हिंदी कहानी का विकास : मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. हिंदी कहानी परम्परा और प्रगति : डॉ. हरदयाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. हिंदी कहानी : वक्त की शिनाख्त और सृजन का राग, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. कहानी के साथ-साथ : विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. नालन्दा पर गिद्ध : देवेन्द्र, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।

Course Learning Outcomes :

- लंबी कहानियाँ अपने शिल्प विधान में कविता, कहानी, निबंध आदि के विभिन्न विधाओं के प्रभावी तत्वों को समाहित किये होने के कारण आज के तकनीक प्रधान युग में बहुत ही सुगमतापूर्वक सिनेमा, नाटक आदि कलारूपों में ढल सकती हैं।
- प्रस्तुत प्रश्न-पत्र भारतीय ग्रामीण संरचना, उसकी सामुदायिकता, व्यक्तिवाद का उदय, स्वातंत्रयोत्तर भारत के समाज की विभिन्न हलचलों, आकांक्षाओं को समझने की दृष्टि से किसी समाजशास्त्री या इतिहासकार की तुलना में ज्यादा महत्वपूर्ण है।
- समाज को साहित्य की दृष्टि से देखने की समझ बढ़ेगी।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 4	3	2	2	2	3	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderately, 3- Strongly

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातकोत्तर हिंदी
सेमेस्टर – IV
प्रश्न पत्र – द्वितीय (वैकल्पिक) : काव्यशास्त्र

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
HIPDTD1	**काव्यशास्त्र**	4	1	-	5 Hours	30	70	100	5

Course Objective :

- साहित्य की भारतीय परंपरा
- साहित्य के प्रति पाश्चात्य परंपरा
- साहित्य के हेतु और प्रयोजन

Syllabus Content :

-: भारतीय काव्यशास्त्र :-

प्रथम इकाई

काव्य लक्षण : भामह, मम्मट, विश्वनाथ और पं० जगन्नाथ
काव्य हेतु : प्रतिभा, व्युत्पत्ति और अभ्यास
काव्य प्रयोजन : भरत, भामह, वामन, रुद्रट, कुंतक, मम्मट

द्वितीय इकाई

रस, ध्वनि, अलंकार, रीति, वक्रोक्ति, औचित्य सिद्धांत का सामान्य परिचय

-: पाश्चात्य काव्यशास्त्र :-

तृतीय इकाई

प्लेटो : अनुकरण सिद्धांत
अरस्तू : अनुकरण एवं विरेचन
लौंजाइनस : काव्य में उदात्त की अवधारणा

चतुर्थ इकाई

आई०ए० रिचर्ड्स : मूल्य सिद्धांत
बेनेदितो क्रोचे : अभिव्यंजनावाद
टी. एस. इलियट : निर्वैयक्तिकता

सहायक ग्रंथ :

1. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा : डॉ० नगेंद्र, नेशनल पब्लिसिंग हाउस, दिल्ली।
2. संस्कृत काव्यशास्त्र : बलदेव उपाध्याय, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ।
3. काव्यशास्त्र : भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
4. पाश्चात्य साहित्य-चिंतन : निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
5. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : देवेंद्रनाथ शर्मा, मयूर बुक्स, इंदौर।
6. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : भगीरथ मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. पाश्चात्य समीक्षा : सिद्धांत और वाद : सूर्य प्रसाद दीक्षित, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

Course Learning Outcomes :

- पाश्चात्य और भारतीय आचार्य कला का मूल्यांकन किन आधारों पर कैसे किया करते थे ? उन मूलभूत आधारों में दृष्टिगत भिन्नता और समानता के तत्वों का अध्ययन इस प्रश्नपत्र की मूल अंतर्वस्तु है।
- पाश्चात्य विचारकों के परिप्रेक्ष्य में हिंदी आलोचना की नयी-नयी धाराओं को स्पष्ट किया सकेगा।
- साहित्य का चिंतन और समाज एक दूसरे के सापेक्ष दिखाई देते हैं। इस पक्ष को स्पष्ट किया जा सकेगा।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	1	2	3	2	1	3	2	3	2	3	3
CO 2	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	3	2
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	2	2
CO 4	3	2	3	2	3	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderately, 3- Strongly

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातकोत्तर हिंदी
सेमेस्टर – IV
प्रश्न पत्र – द्वितीय (वैकल्पिक) : लोक साहित्य

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
HIPDTD2	**लोक साहित्य**	4	1	-	5 Hours	30	70	100	5

Course Objective :

- समष्टि की सृजनशीलता
- मिथक और यथार्थ
- शोक और उल्लास की अभिव्यक्ति

Syllabus Content :

प्रथम इकाई

लोक साहित्य की अवधारणा, लोक साहित्य की मनोवैज्ञानिक एवं समाजशास्त्रीय व्याख्या, लोकभाषा, परिनिष्ठित भाषा, मानक भाषा की प्रकृति।

द्वितीय इकाई

हिन्दी में लोक साहित्य का इतिहास, मिथक और लोक साहित्य, लोक साहित्य के विविध रूप : लोकगीत, देवीगीत, जन्म एवं मृत्यु संबंधी गीत, विवाह गीत, ऋतुगीत, श्रम गीत।

तृतीय इकाई

लोक नाट्य परम्परा, लोकनाटकों के विविध रूप **(क) श्रव्य :** लोकगाथा, लोक आख्यान, पंडवानी, आल्हा, चंदैनी
(ख) दृश्य : रामलीला, रासलीला, नौटंकी, लावनी, प्रहसन, बिदेसिया, नाचा, खयाल, बारहमासा।

चतुर्थ इकाई

बिदेसिया : भिखारी ठाकुर
चरनदास चोर : हबीब तनवीर

- आधारभूत संरचना उपलब्ध होने की स्थिति में प्रस्तुत पाठ्यक्रम सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक (प्रदर्शन) दोनों माध्यम से अध्ययन कराया जायेगा।

सहायक ग्रंथ :

1. लोकसाहित्य की भूमिका : धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
2. लोक साहित्य के प्रतिमान : डॉ. कुंदनलाल उप्रेती, भारत प्रकाशन मंदिर, लखनऊ
3. लोक साहित्य की सांस्कृतिक परम्परा : मनोहर शर्मा, वोहरा प्रकाशन, चैनसुख मार्ग,जयपुर
4. लोक साहित्य विज्ञान : डॉ. सत्येन्द्र,शिवलाल अग्रवाल एण्ड कंपनी, आगरा
5. भारतीय लोक साहित्य : श्याम परमार, राजकमल प्रकाशन, नयीदिल्ली

Course Learning Outcomes :

- लोक जीवन की मौखिक परंपरा में समष्टि की सृजनशीलता के परिणामस्वरूप लोक साहित्य का समृद्ध स्रोत है।
- किसी भी अंचल के सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन के अध्ययन में ये प्रामाणिक स्रोत तो होते ही हैं, इनमें आधुनिक कला रूपों को विकसित और समृद्ध करने की बड़ी संभावना है।

- हमारा लोक साहित्य मूलतः समष्टि की सृजनशीलता के परिणाम हैं। इसके मद्देनजर हमें परम्परागत हिंदी का बाजार निर्मित करने की ओर ध्यान देना है।
- लोक कथाएँ और लोक गीत नयी तकनीक के माध्यम से दृश्य चित्रों और मार्मिक गीतों के सचित्र प्रसार में व्यापक संभावनाएं समेटे हुए हैं।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	3
CO 2	3	1	2	3	3	2	3	2	2	3	3	2
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	2	1	3	1	2
CO 4	3	2	3	2	3	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderately, 3- Strongly

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातकोत्तर हिंदी
सेमेस्टर – IV
प्रश्न पत्र – तृतीय : शोध प्रविधि

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
HIPDTT2	**शोध प्रविधि**	2	-	-	2 Hours	30	70	100	2

Course Objective :

- समाजशास्त्रीय मूल्याँकन
- साहित्य और इतिहास
- पाठालोचन

Syllabus Content :

- शोध व्युत्पत्ति और अर्थ, आलोचना, अनुसंधान अन्वेषण एवं शोध का अंतर।
- शोध का प्रयोजन, शोध के मूल तत्व, शोध और सृजनात्मकता।
- शोध के प्रकार : साहित्यिक शोध, पाठ संबंधित शोध, वैज्ञानिक शोध, तुलनात्मक शोध, ऐतिहासिक शोध।
- शोध की प्रक्रिया - विषय चयन, विषय की रूपरेखा, सामग्री संकलन, तथ्य संकलन।
- शोध का व्यावहारिक पक्ष : अध्ययन क्षेत्र की सीमा, शोध प्रस्ताव, इंडेक्स कार्ड प्रणाली, आधारभूत सामग्री और संदर्भ ग्रंथ सूची, सामग्री संकलन की प्रक्रिया।
- पाठानुसंधान : आशय, स्वरूप और सीमा, पाठ निर्धारण एवं प्रक्रिया।
- सामग्री संकलन के स्रोत - खोज, रिपोर्ट, कैटलॉग पुस्तकें, संस्थान, पाठनुसंधान और पाठालोचन में अंतर, पाठालोचन के मुख्य सिद्धांत।
- संक्षिप्त परिचय - भाषानुसंधान एवं तुलनात्मक अनुसंधान।

सहायक ग्रंथ :

1. शोध प्रविधि : डॉ. विनय मोहन शर्मा, नेशनल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. शोध और सिद्धांत : डॉ. नगेन्द्र, नेशनल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. हिंदी अनुसन्धान : डॉ. विजयपाल सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. पाठालोचन : डॉ. सियाराम तिवारी, स्मृति प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. तुलनात्मक साहित्य की भूमिका : इंद्रनाथ चौधुरी, नेशनल प्रकाशन, नई दिल्ली।

Course Learning Outcomes :

- किसी भी तरह के शोधपरक आलेख, लघु शोध प्रबंध हेतु शोध प्रविधियों और उनकी सैद्धांतिक प्रक्रियाओं से अवगत होने के लिए यह प्रश्नपत्र आवश्यक है।
- प्रस्तुत प्रश्न-पत्र भारतीय ग्रामीण संरचना, उसकी सामुदायिकता, व्यक्तिवाद का उदय, स्वातंत्र्योत्तर भारत के समाज की विभिन्न हलचलों, आकांक्षाओं को समझने की दृष्टि से किसी समाजशास्त्री या इतिहासकार की तुलना में ज्यादा महत्वपूर्ण है।
- समाज को साहित्य की दृष्टि से देखने की समझ बढ़ेगी।
- साहित्य का चिंतन और समाज एक दूसरे के सापेक्ष दिखाई देते हैं। इस पक्ष को स्पष्ट किया जा सकेगा।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 4	3	2	1	2	3	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderately, 3- Strongly

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातकोत्तर हिंदी

सेमेस्टर – IV

प्रश्न पत्र – चतुर्थ : लघु शोध-प्रबंध

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
HIPDLD1	लघु शोध-प्रबंध	5	1	-	6 Hours	30	70	100	6

Course Objective :

- साहित्य और आलोचना दृष्टि
- समाजशास्त्रीय अध्ययन
- सृजनात्मक क्षमता का विकास

Syllabus Content :

- साहित्य का समाजशास्त्रीय अध्ययन

अथवा

- साहित्य की व्यावसायिक संभावनाओं के सन्दर्भ में से किसी एक विषय का चयन

➢ विषय का चयन छात्र तथा संबद्ध अध्यापक के विचार-विमर्श से तैयार करके विभागीय समिति द्वारा अनुमोदित किया जाएगा। विभागीय समिति में विभाग के समस्त अध्यापक उपस्थित रहेंगे जिसकी अध्यक्षता पदेन विभागाध्यक्ष करेगा।

Course Learning Outcomes :

- यह प्रश्नपत्र छात्र द्वारा समस्त अर्जित ज्ञान सम्पदा की प्रामाणिक प्रस्तुति के साथ ही अगर वह कभी भविष्य में कोई शोध करना चाहता है, तो यह उसकी पूर्व पीठिका भी है।
- प्रस्तुत प्रश्न-पत्र भारतीय ग्रामीण संरचना, उसकी सामुदायिकता, व्यक्तिवाद का उदय, स्वातंत्र्योत्तर भारत के समाज की विभिन्न हलचलों, आकांक्षाओं को समझने की दृष्टि से किसी समाजशास्त्री या इतिहासकार की तुलना में ज्यादा महत्वपूर्ण है।
- समाज को साहित्य की दृष्टि से देखने की समझ बढ़ेगी।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes :

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	3	3	2	3	3	2	1	2	3	1
CO 2	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 4	3	2	3	2	3	3	2	3	3	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderately, 3- Strongly

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातकोत्तर हिंदी
प्रश्न पत्र – हिंदी भाषा (ABC)

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
HIPABC	हिंदी भाषा (ABC)	4	1	-	5 Hours	30	70	100	5

Course Objective :

- अपनी भाषा की सामान्य विशेषताओं की जानकारी
- भाषा की संवैधानिक स्थिति, मानकीकरण और लिपि आदि का सामान्य परिचय
- साहित्यिक परिचय

- **हिंदी की व्युत्पत्ति, भाषा की परिभाषा, प्रकृति एवं विविध रूप**
- **हिंदी भाषा की विशेषताएं**
- **हिंदी की बोलियाँ, वर्गीकरण क्षेत्र**
- **देवनागरी लिपि का विकास और मानकीकरण**
- **राजभाषा हिंदी की संवैधानिक स्थिति**

साहित्य खंड :

: कहानियाँ :

भोलाराम का जीव : हरिशंकर परसाई
टोबा टेकसिंह : मंटो

: उपन्यास :

रागदरबारी : श्रीलाल शुक्ल

: कविताएँ :

सतपुड़ा के घने जंगल : भवानी प्रसाद मिश्र
भागी हुई लड़कियां : आलोकधन्वा

सहायक ग्रंथ :

1. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना : वासुदेव नंदन प्रसाद : भारती भवन प्रकाशन।
2. सामान्य हिंदी एवं संक्षिप्त व्याकरण : ब्रजकिशोर प्रसाद सिंह : यूनिकॉर्न बुक्स नई दिल्ली।
3. नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति : देवीशंकर अवस्थी : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. एक दुनिया : समानांतर : राजेन्द्र यादव : राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. 'नयी कविता : एक साक्ष्य' : रामस्वरूप चतुर्वेदी : लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद।
6. 'कहानी : नयी कहानी' : नामवर सिंह : लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद ।
7. 'भाषा और समाज' : रामविलास शर्मा : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. 'शब्दानुशासन' : किशोरीदास वाजपेयी, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।

Course Learning Outcomes :

- हिन्दी भाषी प्रदेशों में उच्च शिक्षाप्राप्त विद्यार्थियों से न्यूनतम अपेक्षा है कि वे अपनी भाषा की सामान्य विशेषताओं, लिपि और उसकी संवैधानिक स्थिति आदि से उनका सामान्य परिचय जरूर हो। इसे ही ध्यान में रखकर यह पाठ्यक्रम तैयार किया गया है।

- साहित्य से उनका सामान्य परिचय अनिवार्य है। इसके मद्देनजर कविता, कहानी और उपन्यास इस पाठ्यक्रम में शामिल है।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 4	3	2	1	2	3	3	2	3	2	3	3	3

- **Weightage: 1- Sightly, 2- Moderately, 3- Strongly**